प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 27 मई, 2025

भारत सरकार

Government of India

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)

Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

2025 दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून-सितंबर) वर्षा के लिए अद्यतन दीर्घावधि पूर्वानुमान आउटलुक और भारत में जून 2025 के लिए मासिक वर्षा और तापमान आउटलुक

Updated Long Range Forecast for the Southwest Monsoon Seasonal Rainfall during June–September, 2025 and Monthly Rainfall and Temperature Outlook for June 2025

मुख्य बिंदु

क) मात्रात्मक रूप से, पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा **दीर्घावधि औसत** (**एलपीए** LPA) **का 106% होने की संभावना है, जिसमें मॉडल त्रुटि ±4% है।** मानसून ऋतु (जून से सितंबर), 2025 के दौरान पूरे देश में **सामान्य से अधिक वर्षा (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 104% से अधिक) होने की संभावना है।**

ख) क्षेत्रवार, दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर, 2025) वर्षा **मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से अधिक (एलपीए/LPA का 106% से अधिक), उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य (एलपीए/LPA का 92-108%) और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से नीचे (एलपीए/LPA का 94% से कम)** होने की संभावना है।

ग) देश के अधिकांश वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों से मिलकर बने **मानसून कोर जोन (एमसीजेड/MCZ)** में दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा **सामान्य से अधिक (एलपीए/LPA का 106% से अधिक)** होने की संभावना है।

घ**)** जून से सितंबर **2025** के दौरान**,** देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है सिवाय उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों को छोड़कर**,** जहाँ सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है।

ङ) पूरे देश के लिए **जून** की औसत वर्षा **सामान्य से अधिक** (LPA का 108% से अधिक) होने की संभावना है।

च) जून 2025 के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक मासिक वर्षा होने की संभावना है, सिवाय प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिणी भागों, उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ खास क्षेत्रों को छोड़कर जहाँ सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है।

छ) जून 2025 में, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे मासिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक मासिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय मध्य भारत और उससे सटे दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ भागों को छोड़कर जहाँ सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।

झ) वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में तटस्थ एल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) स्थितियाँ व्याप्त हैं। नवीनतम मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) के साथ-साथ अन्य जलवायु मॉडल पूर्वानुमान संकेत देते हैं कि मानसून सीज़न के दौरान तटस्थ ENSO स्थितियाँ जारी रहने की संभावना है।

ञ) वर्तमान में, हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ देखी जाती हैं। नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान के साथ-साथ अन्य वैश्विक मॉडलों के पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान कमजोर नकारात्मक आईओडी स्थितियां विकसित होने की संभावना है।

IMD जून के अंतिम सप्ताह में जुलाई की वर्षा का पूर्वानुमान जारी करेगा।

1. पृष्ठभूमि

वर्ष 2021 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) देश भर में वर्षा और तापमान के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ पैमाने पर परिचालन दीर्घावधि के पूर्वानुमान जारी करने के लिए एक नई रणनीति का उपयोग कर रहा है। इसके लिए, एक नव विकसित मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई/MME) पूर्वानुमान प्रणाली का उपयोग किया जाता है। MME प्रणाली IMD के मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से प्राप्त युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCM) से अनुकार/सिमुलेशन का उपयोग करती है।

15 अप्रैल, 2025 को, IMD ने 2025 के दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतुनिष्ठ (जून से सितंबर) वर्षा के लिए प्रथम चरण का पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें पूरे देश के लिए मात्रात्मक और संभाव्य पूर्वानुमान और ऋतुनिष्ठ (जून-सितंबर) वर्षा की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण शामिल है।

दूसरे चरण के पूर्वानुमानों के भाग के रूप में, आईएमडी ने निम्नलिखित पूर्वानुमान तैयार किए हैं:

1. पूरे देश में मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए अद्यतन मात्रात्मक और संभाव्य पूर्वानुमान तथा देश भर में ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण।
2. भारत के चार समरूप क्षेत्रों (उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीप और पूर्वोत्तर भारत) और देश के अधिकांश वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों से युक्त मानसून कोर ज़ोन (एमसीज़ेड) में ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए संभाव्य पूर्वानुमान।
3. पूरे देश में जून की वर्षा के लिए संभाव्य पूर्वानुमान तथा देश भर में जून की वर्षा के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण।

4. देश भर में जून के तापमान (अधिकतम और न्यूनतम) के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण तथा जून महीने के लिए उष्ण लहर/हीटवेव के लिए पूर्वानुमान।

2. भूमध्यरेखीय प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में तटस्थ एल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ/ENSO) की स्थिति व्याप्त है। नवीनतम मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) के साथ-साथ अन्य जलवायु मॉडल पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि मानसून के सीज़न के दौरान तटस्थ ईएनएसओ की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

वर्तमान में, हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियाँ देखी जाती हैं। नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान कमजोर नकारात्मक आईओडी स्थितियां विकसित होने की संभावना है।

3. 2025 के दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा के लिए दूसरे चरण का पूर्वानुमान

3ए. मानसून सीजन, 2025 के दौरान पूरे देश में वर्षा के लिए अद्यतन पूर्वानुमान

मात्रात्मक रूप से, पूरे देश में मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घ अवधि औसत (LPA) का 106 % होने की संभावना है, जिसमें मॉडल त्रुटि ± 4% है। 1971-2020 की अवधि के लिए पूरे देश में ऋतुनिष्ठ वर्षा का एलपीए/LPA 87 सेमी है।

2025 के दौरान पूरे देश में ऋतुनिष्ठ (जून से सितंबर) वर्षा के लिए 5 श्रेणी के संभावना पूर्वानुमान नीचे दिए गए हैं। **यह पूरे देश के लिए सामान्य से अधिक वर्षा (LPA का 105-110%) की उच्चतम संभावना का सुझाव देता है।** यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि सामान्य से अधिक वर्षा श्रेणी की संभावना इसकी जलवायु संबंधी संभावना से ठीक दोगुनी है।

श्रेणी	वर्षा रेंज (एलपीए का %)	पूर्वानुमान संभावना (%)	जलवायु संबंधी संभावना (%)
कम	< 90	**2**	16
सामान्य से नीचे	> 90 - 95	**8**	17
सामान्य	96 -104	**31**	33
सामान्य से अधिक	> 105 -110	**32**	16

अधिक	> 110	**27**	17

3.बी. मानसून सीजन, 2025 के दौरान देश भर में वर्षा के स्थानिक वितरण के लिए अद्यतन पूर्वानुमान

ऋतुनिष्ठ वर्षा (जून से सितंबर, 2025) की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण चित्र 1 में दर्शाया गया है। पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के उत्तरी भागों और पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर जहाँ सामान्य लेकर सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है। देश के भू-क्षेत्र के भीतर सफ़ेद छायांकित क्षेत्रों पर मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

सामान्य से अधिक वर्षा कृषि और जल संसाधनों के लिए लाभकारी है, लेकिन बाढ़, परिवहन में व्यवधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान जैसे जोखिम भी लाती है। इन जोखिमों को दूर करने के लिए, रणनीतियों में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना, IMD की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना, निगरानी और संरक्षण पहलों को मजबूत करना और विशेष रूप से कमज़ोर क्षेत्रों के भीतर प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करना शामिल हो सकता है।

3सी. देश के चार समरूप क्षेत्रों और मानसून कोर जोन (एमसीजेड) में मानसून सीजन, 2025 के दौरान मानसून वर्षा का पूर्वानुमान

चार व्यापक समरूप क्षेत्रों और एमसीजेड के लिए 2025 के दौरान मानसून ऋतुनिष्ठ (जून-सितंबर) वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणी के पूर्वानुमान नीचे दी गई तालिकाओं में दिए गए हैं। टर्साइल श्रेणियों में प्रत्येक की एलपीए के 33.33% की समान जलवायु संबंधी संभावनाएँ हैं।

वर्षा श्रेणी	**उत्तर-पश्चिम भारत**		**मध्य भारत**		**दक्षिण प्रायद्वीप**	
	रेंज (एलपीए का %)	**पूर्वानुमान संभावना (%)**	**रेंज (एलपीए का %)**	**पूर्वानुमान संभावना (%)**	**रेंज (एलपीए का %)**	**पूर्वानुमान संभावना (%)**
सामान्य से नीचे	<92	**12**	<94	**11**	<94	**6**
सामान्य	92-108	**43**	94-106	**31**	94-106	**18**

सामान्य से अधिक	>108	**45**	>106	**58**	>106	**76**

वर्षा श्रेणी	**पूर्वोत्तर भारत**		**मानसून कोर जोन (एमसीजेड)**	
	रेंज (एलपीए का %)	**पूर्वानुमान संभावना (%)**	**रेंज (एलपीए का %)**	**पूर्वानुमान संभावना (%)**
सामान्य से नीचे	<94	**54**	<94	**12**
सामान्य	94-106	**38**	94-106	**32**
सामान्य से अधिक	>106	**8**	>106	**56**

4. जून, 2025 के दौरान पूरे देश में वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

पूरे देश में जून की औसत वर्षा **सामान्य से अधिक (दीर्घ अवधि औसत (LPA) का 108% से अधिक) होने की संभावना है।** 1971-2020 की अवधि के लिए पूरे देश में जून की वर्षा का LPA 165.4 सेमी है।

जून, 2025 के दौरान वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के लिए संभावित पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण चित्र 2 में दिखाया गया है। देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक मासिक वर्षा होने की संभावना है, सिवाय प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिणी भागों, उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों और पूर्वी उत्तर-पूर्व भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है। देश के भू-भाग के भीतर सफ़ेद छायांकित क्षेत्रों पर मॉडल द्वारा कोई संकेत नहीं दिया गया है।

चित्रों के नीचे दी गई तालिका 1 भारत के 36 उप-खंडों के लिए संभाव्य श्रेणी पूर्वानुमान दर्शा रही है, जो दर्शाता है कि भारत के अधिकांश उप-खंडों में जून से सितम्बर 2025 के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

5. जून 2025 के दौरान देश भर में तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 3ए और 3बी, जून 2025 के दौरान क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान की पूर्वानुमानित संभावनाओं को प्रदर्शित करते हैं।

जून 2025 में, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे मासिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है (चित्र 3ए)।

जून 2025 के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक मासिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय मध्य भारत और उससे सटे दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ भागों को छोड़कर जहाँ सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है (चित्र 3बी)।

6. जून 2025 के महीने के लिए हीट वेव का पूर्वानुमान

जून 2025 के लिए देश में उष्ण लहर/हीट वेव दिनों की संख्या के लिए विसंगति (सामान्य से विचलन) पूर्वानुमान चित्र 4 में दिखाया गया है। जून 2025 के दौरान, उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य और पूर्वी भारत के आस-पास के क्षेत्रों में सामान्य से नीचे हीट वेव वाले दिन होने की संभावना है।

7. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएँ

मौसमी पूर्वानुमानों के साथ साथ, आईएमडी नियमित रूप से देश भर में वर्षा, अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान के लिए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार सप्ताह के लिए 7-दिवसीय औसत पूर्वानुमान) तैयार करता है और प्रदान करता है। ये पूर्वानुमान हर सप्ताह गुरुवार को अपडेट किए जाते हैं। ये पूर्वानुमान मल्टी-मॉडल एनसेंबल डायनेमिकल विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित हैं, जो वर्तमान में आईएमडी में परिचालन में है। पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php के माध्यम से उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद विभिन्न उच्च विभेदन/रिज़ॉल्यूशन वाले वैश्विक और क्षेत्रीय मॉडलों के आधार पर प्रतिदिन जारी किए जाने वाले लघु से मध्यम अवधि के पूर्वानुमान होते हैं। पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php के माध्यम से उपलब्ध हैं।

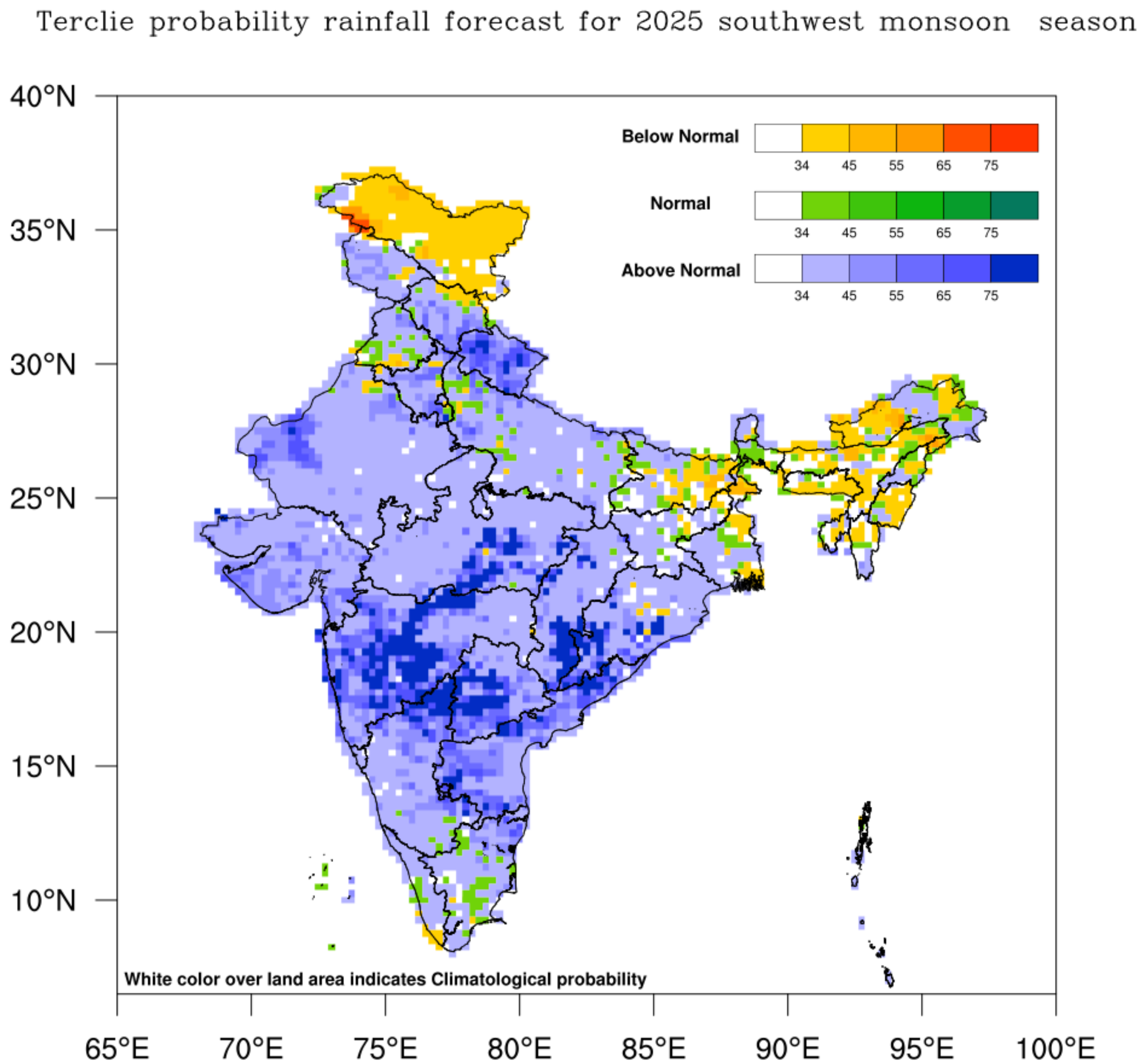

चित्र 1. 2025 के दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन (जून-सितंबर) के दौरान भारत में ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का अद्यतन संभाव्यता पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं को दर्शाते हैं। संभावनाओं को युग्मित जलवायु मॉडल के एक समूह से तैयार एमएमई/MME पूर्वानुमान का उपयोग करके प्राप्त किया गया था। (*टर्साइल श्रेणियों में समान जलवायु संबंधी संभावनाएं हैं, प्रत्येक की 33.33%)।

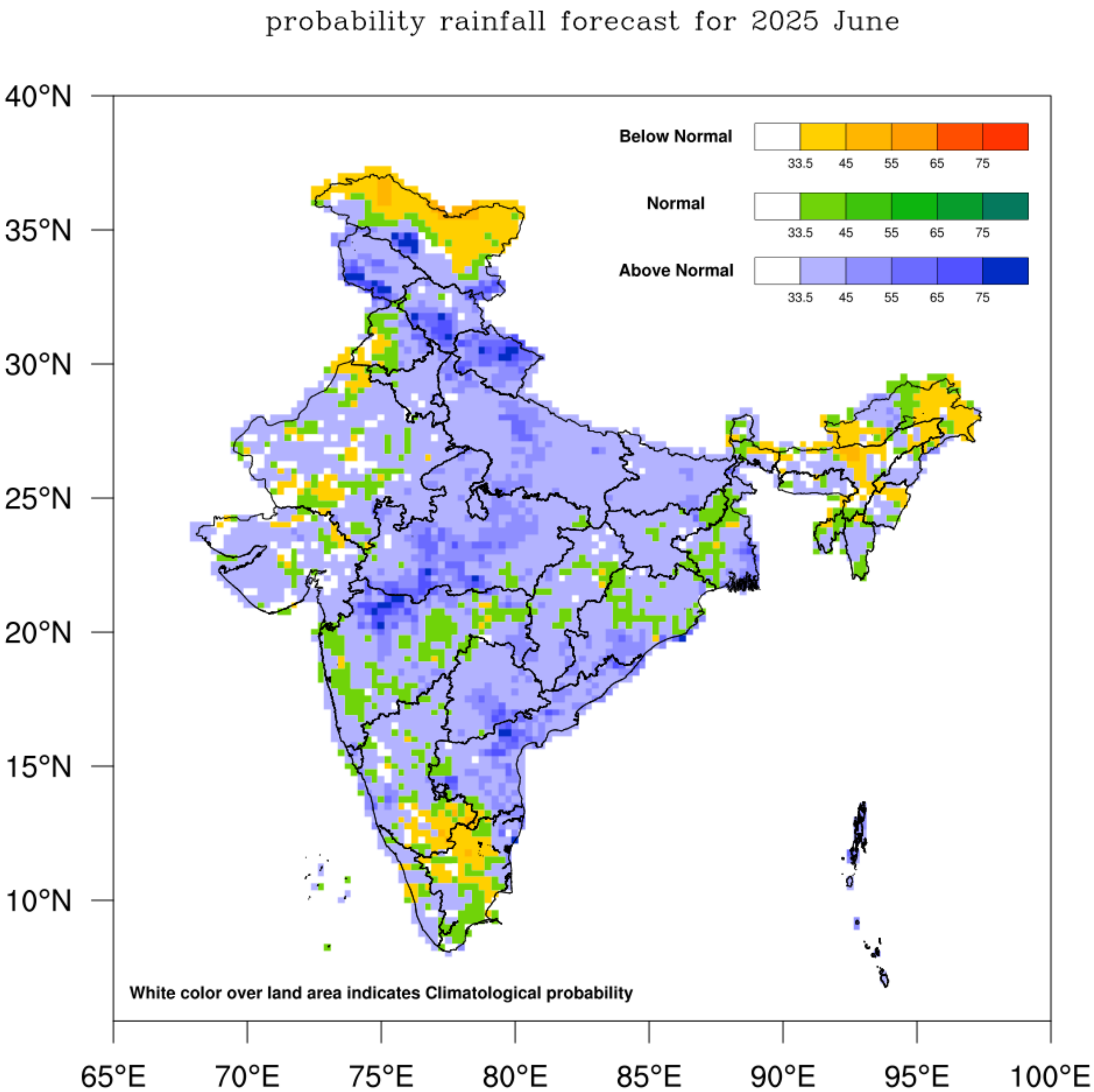

चित्र 2. 2025 जून में भारत में होने वाली वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्यता पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं को दर्शाते हैं। संभावनाओं को युग्मित जलवायु मॉडल के एक समूह से तैयार एमएमई/MME पूर्वानुमान का उपयोग करके प्राप्त किया गया था। (*टर्साइल श्रेणियों में समान जलवायु संबंधी संभावनाएं हैं, प्रत्येक की 33.33%)।

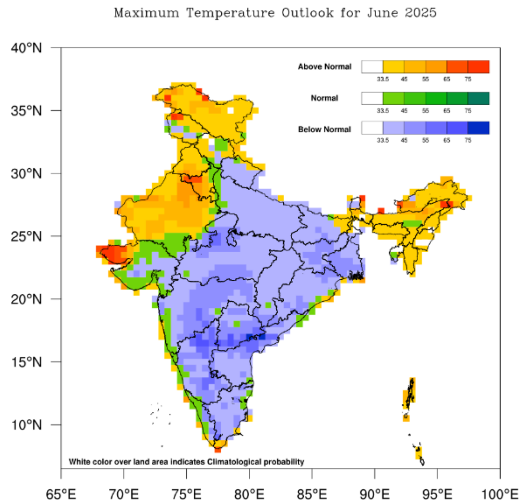

चित्र 3ए. जून 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।

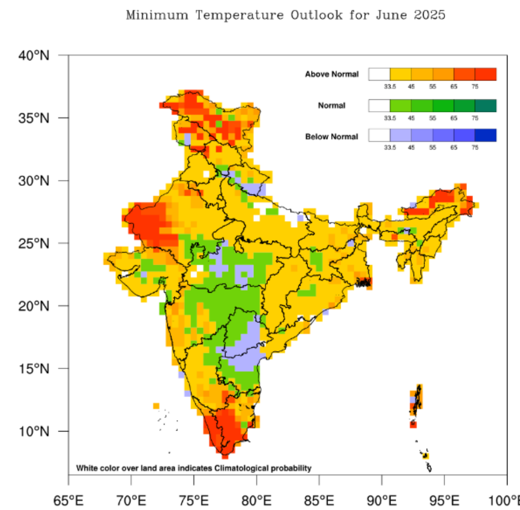

चित्र 3बी. जून 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।

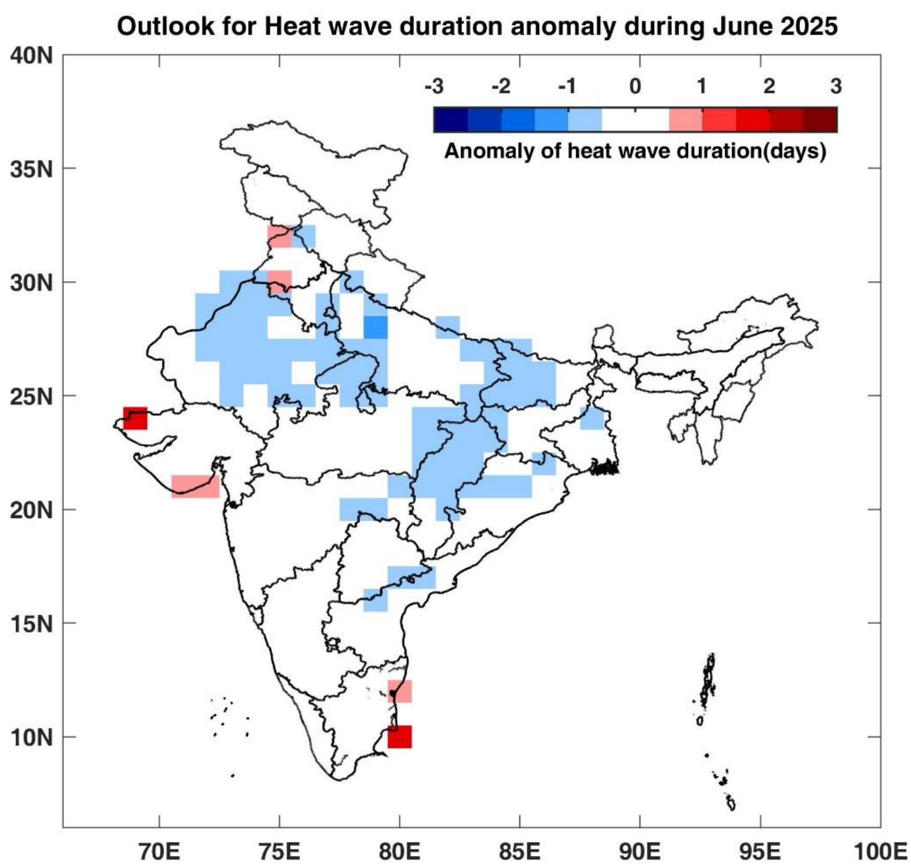

चित्र 4. जून 2025 के महीने के लिए उष्ण लहर घटनाओं का संभाव्य पूर्वानुमान।

तालिका 1 - उपखंडवार जेजेएएस 2025 वर्षा संभाव्यता पूर्वानुमान श्रेणी			
क्र.सं.	**उपखंड का नाम**	**दीर्घ अवधि औसत (एलपीए/LPA) की 2025 पूर्वानुमान श्रेणी**	**जलवायवी सामान्य मूल्य मिमी में (1971-2020)**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	सामान्य से अधिक (एलपीए का >107%)	1632
2	अरुणाचल प्रदेश	सामान्य से नीचे (एलपीए का <91%)	1675
3	असम और मेघालय	सामान्य से नीचे (एलपीए का <93%)	1762
4	नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	सामान्य के निकट (एलपीए का 92-108%)	1302
5	उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	सामान्य के निकट (एलपीए का 93-107%)	1890
6	गांगेय पश्चिम बंगाल	सामान्य से अधिक (एलपीए का >107%)	1167
7	ओडिशा	सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	1150
8	झारखंड	सामान्य से अधिक (एलपीए का >108%)	1023
9	बिहार	सामान्य से अधिक (एलपीए का >111%	992
10	पूर्वी उत्तर प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >110%)	799
11	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >112%)	672
12	उत्तराखंड	सामान्य से अधिक (एलपीए का >108%)	1163
13	हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	सामान्य से अधिक (एलपीए का >114%)	431
14	पंजाब	सामान्य से अधिक (एलपीए का >115%)	440
15	हिमाचल प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >109%)	734
16	जम्मू, कश्मीर और लद्दाख	सामान्य के निकट (एलपीए का 88-112%)	549
17	पश्चिमी राजस्थान	सामान्य से अधिक (एलपीए का >115%)	284
18	पूर्वी राजस्थान	सामान्य से अधिक (एलपीए का >110%)	627
19	पश्चिमी मध्य प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >109%)	877
20	पूर्वी मध्य प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >108%)	1043
21	गुजरात	सामान्य से अधिक (एलपीए का >114%)	927
22	सौराष्ट्र और कच्छ	सामान्य से अधिक (एलपीए का >119%)	540
23	कोंकण और गोवा	सामान्य से अधिक (एलपीए का >107%)	2871
24	मध्य महाराष्ट्र	सामान्य से अधिक (एलपीए का >110%)	747
25	मराठवाड़ा	सामान्य से अधिक (एलपीए का >112%)	643
26	विदर्भ	सामान्य से अधिक (एलपीए का >109%)	937
27	छत्तीसगढ़	सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	1132
28	तटीय आंध्र प्रदेश	सामान्य से अधिक (एलपीए का >109%)	601
29	तेलंगाना	सामान्य से अधिक (एलपीए का >111%)	735
30	रायलसीमा	सामान्य से अधिक (एलपीए का >112%)	409
31	तमिलनाडु और पांडिचेरी	सामान्य से अधिक (एलपीए का >110%)	329
32	तटीय कर्नाटक	सामान्य से अधिक (एलपीए का >106%)	3094
33	उत्तरी आंतरिक कर्नाटक	सामान्य से अधिक (एलपीए का >111%)	481
34	दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक	सामान्य से अधिक (एलपीए का >108%)	679
35	केरल	सामान्य से अधिक (एलपीए का >108%)	2019
36	लक्षद्वीप	सामान्य से अधिक (एलपीए का >109%)	1027